

- Q-1. वृद्धि और विकास के विभिन्न सिद्धांतों का वर्णन कीजिए।
- Q-2. बालक के सामाजिक विकास को प्रभावित करने वाले कारकों का वर्णन करें।
- Q-3. पिथाजे के संज्ञानात्मक विकास के सिद्धांत की व्याख्या कीजिए।
- Q-4. विकास की विभिन्न अवस्थाओं में सामाजिक सांस्कृतिक प्रभावों का उल्लेख कीजिए।
- Q-5. साक्षात्कार से आप क्या समझते हैं। साक्षात्कार के मुख्य तत्वों विशेषताओं उद्देश्यों तथा प्रकारों का वर्णन कीजिए।
- Q-6. क्रियात्मक विकास को प्रभावित करने वाले कारकों का वर्णन करें।
- Q-7. व्यक्तित्व को परिभाषित कीजिए। व्यक्तित्व की विशेषताएँ क्या हैं। इनको प्रभावित करने वाले कारकों का वर्णन कीजिए।
- Q-8. आलपोर्ट द्वारा दी गई व्यक्तित्व की परिभाषा कीजिए।
- Q-9. फ्रायड द्वारा प्रस्तुत विकास के सिद्धांत का वर्णन कीजिए।

- Q-10. बौद्ध विद्या के सिद्धांतों को संक्षिप्त चर्चा किजिए।
- Q-11. लगाव वा विद्या किस प्रकार होता है। वर्णन किजिए।
- Q-12. रूढ़ि धर्मियों की प्रवृत्ति एवं महत्त्व वा वर्णन किजिए।
- Q-13. संवेग का क्या अर्थ है। संवेगों को विशेषताएं क्या हैं संवेगों के विभिन्न प्रकार बताइए।
- Q-14. बच्चे के संवेगात्मक विद्या में अध्यापक की भूमिका का वर्णन किजिए।
- Q-15. बाल्यवस्था जीवन का अनौखा काल है। इस काल का स्फूर्तीकरण किजिए। इस काल की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन किजिए।
- Q-16. विवर्धनता से आपका क्या अभिप्राय है? विवर्धनता के संदर्भ में बाल्यवस्था पर प्रभाव डालें।
- Q-17. मन्दबुद्धि या पिछड़े बालकों के लिए अध्यापक की विशेषताओं एवं गुणों पर नोट लिखें।
- Q-18. संस्कृति और व्यक्तित्व का व्यक्तित्व किस प्रकार संबंधित है।
- Q-19. प्रतिस्पर्धा से क्या अभिप्राय है? व्याख्या करें।
- Q-20. सामाजिकरण में सामाजिक विभिन्नताओं की व्याख्या करें।